

लद्दाख में पर्यटन का विकास

14194. श्रीमती पार्वती देवी :
क्या पर्यटन और नागर विमानन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या लद्दाख के भीतरी भाग में अनेक ऐतिहासिक, धार्मिक और सांस्कृतिक महत्व के स्थल हैं लेकिन वहां पर्यटकों के लिए उचित सुविधाएं उपलब्ध नहीं हैं ;

(ख) क्या उपेक्षा के कारण लद्दाख में पर्यटन रुचि के विभिन्न स्थल जीर्णोद्धार स्थिति में हैं ; और

(ग) आवश्यक धनराशि व्यय कर और उनकी और उचित ध्यान देकर उक्त पर्यटन संभाव्यता क्षेत्र का विकास करने के बारे में सरकार की क्या योजना है ।

पर्यटन और नागर विमानन मंत्री (श्री पुरुषोत्तम कौशिक) : (क) जी हां । परन्तु महत्वपूर्ण गोम्पाओं अथवा मठों को, जो पर्यटकों के लिए आकर्षण के मुख्य स्रोत हैं, लेह से असानी से जाया जा सकता है । लेह में पर्यटक सुविधाएं उपलब्ध होने के कारण पर्यटक वहीं ठहरना ज्यादा पसन्द करते हैं ।

(ख और ग). सरकार का प्रस्ताव है कि "गोम्पाओं" को, जो कि पर्यटन के मुख्य आकर्षण हैं, राष्ट्रीय स्तर पर परिरक्षण किया जाए । उसके बाद, उनकी यथोचित मरम्मत करने तथा उनका अच्छी प्रकार रख-रखाव करने के लिए आवश्यक कार्यवाही की जाएगी ।

इसके अलावा, राज्य सरकार को यह भी सुझाव दिया गया है कि लद्दाख

के लिए पर्यटन विकास का एक मास्टर प्लान तैयार करे ताकि इसकी अनुपम सांस्कृतिक एवं पर्यावरण संबंधी विशेषताओं को सुरक्षित रखा जा सके तथा यह भी सुनिश्चित किया जा सके कि उस क्षेत्र में पर्यटन का विकास नियमित रूप से संपन्न हो ।

"Export to U.S.A." Seminar held in Agra

4195. SHRI P. V. PERIASAMY:
Will the Minister of COMMERCE AND CIVIL SUPPLIES AND CO-OPERATION be pleased to state:

(a) the salient features of the discussions in the "Export to U.S.A." Seminar held in Agra on the 24th September, 1977 under the sponsorship of Indo-American Chamber of Commerce;

(b) whether 2700 items from India have been declared duty free by U.S.A.; and

(c) if so, the steps proposed to be taken by Government to augment our exports to U. S. A.?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF COMMERCE AND CIVIL SUPPLIES AND COOPERATION (SHRI ARIF BEG): (a) The Indo-American Chamber of Commerce has informed the Government that the Seminar on Exports to USA held in Agra on 24th September, 1977 made the following recommendations:

(i) Pooling of resources and greater consciousness towards quality and delivery schedules would be necessary for stepping up India's exports to USA.

(ii) The Government should set aside a fund which should be utilised for projecting India's capability in regard to a few selected items through the advertising media in the United States.